Downloaded From: http://www.cbseportal.com

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – मार्च, 2015
अंक योजना हिन्दी 'केन्द्रिक'
कक्षा – XII

कूटबंध – 2/1/1
2/1/2
2/1/3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
				खंड – 'क'	
1.	1.	2.	2.	**अपठित गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर–**	**15**
	क	क	क	राष्ट्रीयता/देश प्रेम/राष्ट्र भाव का बोध अथवा अन्य कोई समुचित शीर्षक।	1
	ख	ख	ख	अस्तित्व – 'त्व' प्रत्यय अनिवार्य – 'अ', 'नि' उपसर्ग 'य' प्रत्यय (किसी एक उपसर्ग एवं एक प्रत्यय का उल्लेख)	½+½
	ग	ग	ग	मिश्र वाक्य।	1
	घ	घ	घ	– अहंकार, स्वार्थ। • वरना देश को प्राथमिकता नहीं दे पाएँगे। • देश हित सर्वोपरि नहीं होगा।	1+1=2
	ङ	ङ	ङ	• राष्ट्र भौगोलिक सत्य ही नहीं, पूर्वजों से प्राप्त विरासत/जीवन–मूल्य/जीवन–शैली/तीज–त्योहार/सभ्यता एवं संस्कृति का समग्र रूप ही है। (अन्य मौलिक विचार बिन्दु भी स्वीकार्य)	2

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
	च	च	च	• राष्ट्र के प्रति समर्पण। • राष्ट्र के लिए जीना और काम करना। • स्वतंत्रता तथा विकास के लिए कार्य करना। (कोई दो बिंदु) –राष्ट्रभक्त – महात्मा गांधी, तिलक, सुभाषचंद्र बोस आदि।	1+1=2
	छ	छ	छ	– क्षेत्र, भाषा, धर्म, संप्रदाय आदि के आधार पर परस्पर फूट।	2
	ज	ज	ज	• व्यक्तिगत गतिविधियों द्वारा देश के उत्थान/विकास हेतु प्रयत्नशील होना। • स्वार्थ का परित्याग। • देश विरोधी/देश को पतन की ओर ले जाने वाली गतिविधियों से दूरी। (भिन्न मौलिक उत्तर भी स्वीकार्य।)	1+1=2
	झ	झ	झ	• व्यक्तिगत स्वार्थ से राष्ट्रीय–भावना के विपरीत आचरण संभव। • स्वार्थ के परित्याग के बाद ही राष्ट्रीय भावना का बोध/विकास संभव। (अन्य मौलिक विचार बिंदु भी स्वीकार्य।)	1+1=2
2.	2.	1.	1.	**अपठित काव्यांश के प्रश्नों के उत्तर–**	**1x5=5**
	क	क	क	• अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता। • जन भावना के उद्वेलन।	½+½=1
	ख	ख	ख	• हिंसक जीवों से बचाव हेतु।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2 / 1 / 1	2 / 1 / 2	2 / 1 / 3		
				• आत्मरक्षा हेतु। • युद्ध हेतु। (कोई बिंदु अपेक्षित)	½+½=1
	ग	ग	ग	• अन्याय के प्रतिकार हेतु प्रखर विचारों का होना। • मन से हताश व्यक्तियों में नए प्राण एवं ऊर्जा का संचार।	½+½=1
	घ	घ	घ	• निर्भय व्यक्तियों को। • वैचारिक रूप से सक्षम लोगों को।	½+½=1
	ङ	ङ	ङ	• हिंसक जीव–जंतुओं से बचाव हेतु। • अन्याय का दमन करने हेतु।	½+½=1
				खंड – 'ख'	
3.	3.	3.	3.	**किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित :** • भूमिका / प्रस्तावना 1 • विषय–वस्तु 3 • भाषा की शुद्धता एवं प्रस्तुति 1	**5**
4.	4.	4.	4.	**पत्र–लेखन :** • आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ 2 • विषय–वस्तु 2 • भाषा 1	**5**
5.	5. क	–	–	प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर– • समाचार सामग्री देने की अन्तिम समय सीमा।	**1x5=5** 1

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
	ख	–	–	• सरकार के कामकाज पर निगाह रखना। • और उसकी गड़बड़ियों का पर्दाफाश करना।	1
	ग	–	–	• समाचारों का अशुद्धि संशोधन करके उन्हें मुद्रण योग्य बनाना। • संपादकीय लिखना। (अन्य बिंदु भी स्वीकार्य।)	½+½=1
	घ	–	–	– देश–दुनिया के समाचारों का संकलन/संग्रह करके समाज को अवगत कराने वाला।	1
	ङ	–	–	–किसी भी खबर के बीच कोई अन्य महत्वपूर्ण खबर कम से कम शब्दों में तत्काल दर्शकों तक पहुँचाना।	1
	-	5 क	–	–किसी विशेष क्षेत्र (खेल, फिल्म, अपराध आदि) से संबंधित तथ्यों की जानकारी।	1
	-	ख	–	• 1780, कोलकाता	½+½=1
	-	ग	–	• स्थायीत्व। • लिखित भाषा का विस्तार। • चिंतन, विचार और विश्लेषण का माध्यम। • प्रामाणिक। (किन्हीं दो का उल्लेख अपेक्षित)	1
	–	घ	–	–सनसनीख़ेज, चकाचौंध या चरित्रहनन की दृष्टि से ग्लैमर युक्त पत्रकारिता।	1
	–	ङ	–	–समाचार किसी भी ऐसी ताजा घटना, विचार या समस्या की रिपोर्ट है जिसमें अधिक से अधिक लोगों	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
				की रुचि हो और जिसका अधिक से अधिक लोगों पर प्रभाव पड़ रहा हो।	1
	–	–	5 क	• सूचना देना। • शिक्षित करना। • मनोरंजन करना। • विचार–विमर्श करना। • एजेंडा तय करना। • निगरानी करना। (कोई दो बिन्दु अपेक्षित)	½+½=1
	–	-	ख	• 24 घंटे उपलब्ध रहने के कारण। • निरंतर अपडेट होने के कारण। • कम समय में दुनिया भर के लोगों से जुड़ने के कारण। • सूचना, मनोरंजन, ज्ञान और व्यक्तिगत तथा सार्वजनिक संवादों के सरल आदान–प्रदान के कारण। (कोई दो बिन्दु अपेक्षित)	½+½=1
	–	–	ग	–सार्वजनिक हित में भ्रष्टाचार और अनियमितता को उज़ागर करने हेतु गहरी खोजबीन कर प्रामाणिक – सूचनाएँ एकत्र कर प्रकाशित करना।	1
	–	–	घ	• तथ्यों/स्रोतों की प्रामाणिकता। • निष्पक्षता। • संतुलन। • वस्तुपरकता।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
				(किन्हीं दो बिन्दुओं का उल्लेख अपेक्षित)	½+½=1
	–	–	ङ	• स्वतंत्र रूप से भुगतान के आधार पर अलग–अलग समाचार–पत्रों के लिए काम करने वाले पत्रकार। • किसी विशेष समाचार–पत्र या संगठन के वेतन भोगी नहीं होते।	1
6.	6.	6.	6.	किसी एक **आलेख या फीचर** पर लेखन– प्रभावी विषय – वस्तु 2 प्रस्तुति 2 भाषा की शुद्धता 1	**5**
7.	7.	7.	7.	किसी एक **आलेख या फीचर** पर लेखन– प्रभावी विषय – वस्तु 2 प्रस्तुति 2 भाषा की शुद्धता 1	**5**
				खंड – 'ग'	
8.	8. क	8. क	8. क	काव्यांश पर आधारित प्रश्न– • प्रियतम को प्रिय लगने के कारण। • प्रत्येक परिस्थिति को प्रिय पात्र से जुड़ा पात्र हुआ मानने के कारण है।	2x4=8 1+1=2
	ख	ख	ख	– गरबीली गरीबी • औचित्य – दीनता में भी स्वाभिमानी होने का	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
				भाव। • सौंदर्य – गरीब भी आत्म–सम्मान चाहता है। –प्रयोग सौंदर्य, अनुप्रास सौंदर्य।	1+1=2
	ग	ग	ग	• गरबीली गरीबी, गहन अनुभूति, विचार वैभव, दृढ़ता भीतर की सरिता, भाव आदि को। • क्योंकि यह सब मौलिक अनुभव उसे अपनी प्रिया से ही मिलते हैं जो कि उसमें नवचेतना जाग्रत करते हैं।	1+1=2
	घ	घ	घ	– प्रेम की सघनता के कारण प्रेमियों को एक दूसरे की सभी बातें प्रिय लगती हैं और वे दोनों परस्पर भावनात्मक रूप से जुड़े होते हैं।	1+1=2
	अथवा	अथवा	अथवा	**अथवा**	
	क	क	क	• एक बार गिरकर बच जाने पर वे और अधिक गंभीर चुनौतियों का सामना करने को तत्पर हो जाते हैं।	2
	ख	ख	ख	• निडर हो जाना। • आत्मविश्वासी होना। • असफलता से भयभीत न होना। • प्रबल वेग से पुनः कार्यरत होना।	½+½ ½+½=2
	ग	ग	ग	• गतिशीलता के कारण। • निरंतर आगे बढ़ते रहने की ललक।	1+1=2
	घ	घ	घ	– बच्चे अपनी कल्पना के सहारे पतंगों की तरह आकाश जैसी स्वप्निल ऊँचाइयों को छूने को उत्सुक।	2

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
9.	9. क	9. क	9. क	**काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर–** • अवधी भाषा। • तत्सम शब्दावली। • प्रसाद गुण (कोई दो बिन्दु अपेक्षित)	**2x3=6** 1+1=2
	ख	ख	ख	• प्रभु राम का प्रलाप सुन कर वानर–समूह व्याकुल (बेचैन) हो गया, तभी वहाँ हनुमान आ गए मानो करुण रस में वीर रस प्रकट हो गया। अर्थात् क्षणभर पूर्व का व्याकुल वानर–यूथ हनुमान जी को देखकर उत्साह से भर गया।	2
	ग	ग	ग	• 'प्रभु – प्रताप' – अनुप्रास अलंकार। • 'जिमि करुना महँ वीर रस' – उत्प्रेक्षा अलंकार।	1+1=2
				अथवा	
	क	क	क	• संस्कृतनिष्ठ शब्दावली। • प्रतीकात्मकता। • खड़ी बोली। • लघुपद योजना। (कोई दो बिन्दु अपेक्षित)	1+1=2
	ख	ख	ख	• अनुप्रास और उदाहरण अलंकार। • स्वर–मैत्री और प्रतीकात्मकता।	1+1=2
	ग	ग	ग	• गरीबों को आतंकित करने वालों के महलों जैसे भवनों में ही आतंक की, शोषण की योजनाएँ	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
10.	10. क	–	–	बनाई जाती हैं। ये भय एवं त्रास के भवन हैं। • पंक पीड़ित एवं शोषित ही क्रांति का सूत्रपात करते हैं। • जैसे छोटे शिशु का सुकुमार शरीर रोग–शोक में भी हँसता है। उसी प्रकार शोषित वर्ग भी कष्टों में हँसता रहता है। **किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित–** • रावण ने सीता हरण की संपूर्ण घटना कुंभकरण को दंभपूर्वक सुना दी और यह भी बता दिया कि युद्ध में उसके सारे महावीर योद्धा मारे गए हैं। • कुंभकरण ने उसे फटराकते हुए कहा कि तुमने दुष्टतापूर्ण कार्य किया है अब तुम्हारा भला कोई नहीं कर सकता।	2 **3+3=6** 3
	ख	–	–	–राख से लीपे हुए चौके से जो कि अभी गीला पड़ा है। क्योंकि भोर के समय आकाश में नमी होती है और रंग हल्का मटमैला राख जैसा होता है।	3
	ग	–	–	– कथ्य को महत्व दिया है क्योंकि भाषा तो उसे प्रकट करने का साधन मात्र है। साध्य तो बात का कथ्य ही है।	3
	–	10. क	–	– प्रेम की व्याकुलता एवं प्रियजनों से मिलने की आस मनुष्यों में ही नहीं अपितु पशु–पक्षियों में भी होती है और सांझ ढले वे भी नीड़ों में बैठे अपने बच्चों से मिलने को व्यग्र होकर तेजी से पंख फड़फड़ाते हुए उड़ते हैं ताकि शीघ्र ही अपने घोंसलों में पहुँच जाएँ।	3
	–	ख	–	– दोनों की ही उड़ान, भाव–विस्तार, कल्पना, सपने,	3

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
				दृष्टि असीमित होते हैं।	
	–	ग	–	–क्योंकि इन्हीं भवनों में आतंक की, शोषण की, षडयंत्रपूर्ण योजनाओं का सूत्रपात और क्रियान्वयन होता है।	3
	–	–	10. क	• बेकारी, गरीबी, भुखमरी। • सभी प्रकार के उद्योग–धंधे, कृषि इत्यादि चौपट। • जीविका विहीन लोग करणीय–अकरणीय सभी कार्यों में लिप्त। (अन्य बिंदु भी स्वीकार्य)	3
	–	–	ख	• किसी भी बात को सीधे–सरल शब्दों में कहना चाहिए। • प्रदर्शन की इच्छा से जटिल–भाषा के प्रयोग के कारण अर्थ का अनर्थ हो जाता है। • जटिल भाषा–प्रयोगों के कारण बात का मूल स्वरूप एवं सौंदर्य नष्ट हो जाता है।	3
	–	–	ग	• वर्षा ऋतु के बाद आसमान बिल्कुल साफ हो गया है। • सवेरा अधिक उजला और चमकीला हो गया है। सूर्योदय की लालिमा खरगोश की आँख के समान प्रतीत हो रही है। • शरद ऋतु का आगमन नए उत्साह, उमंग और किलकारियों से परिपूर्ण है। • बच्चों की चहल–पहल, खेल–कूद, पतंगबाजी, शोर आदि वातावरण और आकाश को स्निग्ध बना देता है।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
				• पतंगों का रंगीन और सुंदर संसार आकाश में रंगीन तितलियों की मोहक सतरंगी दुनिया का बोध कराता है। (किन्हीं तीन का उल्लेख)	3
11.	11	11	11	**गद्यांश पर आधारित प्रश्न–**	**2x4=8**
	क	क	क	• मनुष्य इच्छाओं को पूर्ण रूप से नकार नहीं सकता। यदि वह ऐसा करता है तो भी लोभ की ही जीत होती है। क्योंकि उसकी इच्छाओं का/लोभ का दमन तो होता है परंतु शमन नहीं।	2
	ख	ख	ख	• संसार की सारी गतिविधियों को अनदेखा करना। • उनकी ओर से मन को हटा लेना। • उनमें रस न लेना।	2
	ग	ग	ग	• मन को बलात् बंद करना हठयोग है क्योंकि मन हठी होता है और वह सांसारिक कामनाओं, खुशियों का आनंद नहीं उठा पाता जबकि योग जीवन को आनंद देता है, संयमित बनाता है।	2
	घ	घ	घ	• अपूर्णता का गहरा बोध ही पूर्ण होकर मुक्ति की राह खोलता है।	2
	अथवा क	अथवा क	अथवा क	**अथवा** • विभाजन केवल भौतिक सीमाओं का होता है। • रहन–सहन, वेशभूषा, भाषा, सूरतें, व्यवहार आदि सब एक जैसे।	2

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
	ख	ख	ख	• भावुक थे। • परिस्थितियों के लिए कसक। • क्योंकि उनके मन में संदेह था कि अब न जाने कब मिलना हो।	2
	ग	ग	ग	• अटारी में। • सीमा बदलने के साथ पुलिस बदल गई। • आपसी बँटवारा और दिलों की दूरियाँ।	2
	घ	घ	घ	• वे राजनैतिक दृष्टि से अलग होने के कारण व्यर्थ ही एक–दूसरे के दुश्मन बन गए थे।	2
12.	12. क	–	–	**किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित–** • निराश, हताश गाँववालों में आशा और जीवंतता भरती थी। • रात की भयंकरता को ललकारती हुई आने वाली सुबह का संदेश देती थी। • मृत्यु से जूझते निराश लोगों के दिल में संजीवनी शक्ति भरती थी।	**3x4=12** 1+1+1
	ख	–	–	• भयंकर गर्मी और जल की कमी के समय कीमती पानी की निर्मम बर्बादी। • वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अभाव। • अंधविश्वासों का प्रतीक। • यदि यह इंदर सेना भगवान इंद्र से सबको पानी दिला सकती है तो फिर अपने लिए ही पानी क्यों नहीं मांग लेती!	1+1+1

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
	ग	–	–	(कोई तीन बिंदु अपेक्षित) • जाति में श्रमिकों का जन्म के आधार पर विभाजन जबकि श्रम में कार्यकुशलता, रुचि के आधार पर विभाजन। • जाति प्रथा श्रमिक को एक ही काम करने को बाध्य कर देती है जबकि श्रम विभाजन कार्य करने की स्वतंत्रता देता है। • जाति प्रथा श्रमिकों का अस्वाभाविक विभाजन करती है और सामाजिक विघटन के प्रति उत्तरदायी है जबकि श्रम विभाजन में इस प्रकार की ऊँच–नीच न होकर कार्य कौशल की गरिमा और कार्य संतुष्टि की भावना प्रबल होती है।	1+1+1
	घ	–	–	• परित्यक्ता, दूसरे दर्जे की अभिनेत्री का बेटा होने के कारण समाज में अवहेलना। • भयावह गरीबी तथा माँ का पागलपन। • पूँजीपति और सामंती समाज से मिला अपमान।	1+1+1
	ङ	–	–	–क्योंकि पंचायत ने दोनों को एक ही बंद कमरे से निकलते देखा था। तर्क– • लोगों की सोच अत्यंत संकुचित, स्वार्थी, मानवाधिकार विरोधी है। • ग्राम पंचायतें विवाह, संपत्ति आदि मामलों में महिलाओं के प्रति रूढ़िवादी हैं।	1+2
	–	12. क	–	• गाँववालों का मनोरंजन।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
	–	ख	–	• भूख, महामारी से दम तोड़ते गाँव वालों में जीवन के प्रति आशा का संचार। • संजीवनी शक्ति के समान नवजीवन प्रदान करती थी।	1+1+1
				• लेखक पानी बचाने का पक्षधर जबकि जीजी इंद्रदेव को प्रसन्न करने की पक्षधर। • लेखक पानी डालने को अंधविश्वास मानता है जबकि जीजी खेतों में बीज की बुआई का उदाहरण देकर 'दान' का महत्व प्रतिपादित करती है। • लेखक वैज्ञानिक दृष्टिकोण का पक्षधर जबकि जीजी लोक संस्कृति एवं परंपराओं को महत्व देती थीं।	1+1+1
	–	ग	–	• श्रम विभाजन का आधार जातिगत नहीं होना चाहिए। • मनुष्य को कार्य के चुनाव की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। • श्रम विभाजन योग्यता, कार्य–कुशलता एवं अभिरुचि के अनुरूप होना चाहिए।	1+1+1
	–	घ	–	• जब वह गर्व, विश्वास, सफलता, संस्कृति और समृद्धि की सबसे ऊँची चोटी पर पहुँच जाता था। • सर्वाधिक शक्तिशाली अवस्था में जब वह फूल से भी कोमल और वज्र से भी कठोर अनुभव करता था। **क्यों–** • लोगों का मनोरंजन करने के लिए।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
	–	ङ	–	• स्वयं को अतीत की त्रासद स्थितियों से उबारने के लिए। • बाज़ार की जादुई ताकत द्वारा गुलाम बनाया जाना। • बाज़ार असंतोष, तृष्णा और ईर्ष्या का जनक। • आवश्यकता से अधिक वस्तुओं का निरर्थक संग्रह।	2+1 1+1+1
	–	–	12. क	• स्वामी–सेवक संबंध न होकर परस्पर आत्मीय संबंध। • लेखिका भक्तिन को अपने व्यक्तित्व का ज़रूरी अंश मानती हैं। भक्तिन भी लेखिका के प्रति पूर्ण समर्पित। • दोनों एक–दूसरे के अनुभवों तथा व्यवहारिक ज्ञान का सम्मान करती हैं। **(अन्य उपयुक्त विशेषताएँ भी स्वीकार्य)**	1+1+1
	–	–	ख	• जादू चढ़ने से तात्पर्य है बाज़ार के आकर्षण में फँस कर गैर ज़रूरी चीजों की खरीददारी। • जादू उतरने का तात्पर्य है खरीदी हुई वस्तुएँ व्यर्थ प्रतीत होती है। उनसे आनन्द के बजाय खिन्नता होती है।	3
	–	–	ग	• 'गगरी' सरकारी योजनाओं का और 'प्यासा बैल' ज़रूरतमंद व्यक्ति का प्रतीक। • सरकारी योजनाओं का केवल कागज़ों पर चलना। • भ्रष्टाचार के कारण योजनाओं का उचित रूप	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
				से क्रियान्वयन न होना। • ज़रूरतमंद व्यक्तियों को लाभ न मिलना। (किन्हीं तीन बिंदुओं का उल्लेख)	1+1+1
	–	–	घ	• महान प्रतिभा का धनी। • उनकी फिल्मों का बुद्धि की बजाय भावना प्रधान होना। • कुछ ऐसी रीलों तथा फिल्मों का मिलना जिनके बारे में पहले जानकारी नहीं थी। • समय, भूगोल और संस्कृतियों की सीमाओं से परे आज भी प्रासंगिक होना।	3
	–	–	ङ	• कानून को महत्व दें या माँ की मुहब्बत को। • सैयद होने के कारण वायदा झुठलाना ठीक नहीं। • कीनूओं की टोकरी में छिपाकर ले जाए या कस्टमवालों को बताकर।	3
13.	13.	13.	13.	**जीवन मूल्य–** • भारतीय जीवन–मूल्यों में विश्वास। • पाश्चात्य संस्कृति की अवहेलना। • सरलता, सादगी और प्रातःकालीन सैर से स्वास्थ्य चेतना। • भौतिक वस्तुओं के प्रति अपरिग्रह। • पुराने विचारों के वाहक। • परिश्रमी, समय के पाबंद, कर्त्तव्यनिष्ठ। • धन–दौलत, आडम्बरों के प्रति अनासक्ति। • नई–पीढ़ी से सामंजस्य न बिठा पाना।	**5**

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
				किन्हें अपनाना चाहेंगे..... (विद्यार्थी के मौलिक विचार स्वीकार्य)	4+1
14.	14 क	14 क	14 क	**दो प्रश्नों का उत्तर–** • प्राचीनतम नगर–नियोजित सभ्यता। • उत्कृष्ट नगर नियोजन/प्रबंधन। • सड़कों की ग्रिड प्लानिंग। • चाक पर बने सुंदर, चित्रित भांड, मुहरें, साजो–सामान, खिलौने आदि। • पक्की नालियाँ। • पानी निकासी की व्यवस्था। • तालाब, सार्वजनिक स्नानागार आदि। • अन्न भंडारण के कक्ष, साधुओं के कक्ष, स्तूप। (विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उपयुक्त उदाहरण भी स्वीकार्य)	**5+5=10**
	ख	ख	ख	• द्वितीय विश्व–युद्ध में जर्मनी द्वारा यहूदियों पर किए गए बर्बर अत्याचारों का जीवंत दस्तावेज़। • युद्ध की विभीषिका के दौरान आतंक, डर के साये में व्यतीत निज़ी अनुभूतियों का करुण, मर्मस्पर्शी चित्रण। • सत्य घटनाओं पर आधारित बच्चों, महिलाओं आदि के दारुण अनुभवों की दास्तान। • जातीय अहंकार के कारण पशुवत व्यवहार करने वाले क्रूर शासकों की मनोवृत्ति की परिचायक। • वर्तमान परिप्रेक्ष्य में (युद्ध एवं आतंक मानवता विरोधी और विनाशक हैं, के संदर्भ में) प्रासंगिक।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com